JIMMC न्यूज़

Saturday, May 14, 2016

www.jimmc.com

गर्मी बढ़ते ही नकली पेय पदार्थों का बाजार गर्म

जिम्सी न्यूज़ , नोयडा ।

अगर आपका गर्मी में अपना गला ठंडा करने का मन करता है और बाजार में अलग-अलग कंपनियों के पेय पदार्थों से सजी दुकान से पेय पदार्थ खरीदना है तो जरा संभल कर ही खरीदें। बाजार में असली के नाम पर नकली पेय पदार्थ का धंधा जोरों पर चल रहा है। इस कारोबार से जुड़े लोग कंपनी के पेय पदार्थों के नाम पर जेब गर्म करने में लगे हैं। बाजार से ठंडा खरीदने से पहले उसकी पूरी जांच करके ही खरीदें।

जैसे-जैसे गर्मी का मौसम आगे बढ़ रहा है, नकली पेय पदार्थों का कारोबार करने वालों ने अपनी रफ्तार बढ़ा ली है। देखा जाए तो मार्केट में कंपनी के पेय पदार्थों के साथ नकली पेय पदार्थों की भरमार है। उपभोक्ताओं की आंखों में धूल झोंक कर नकली पेय पदार्थ खूब बेचे जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ऐसे कारोबारियों की तरफ से आंखें बंद किए हुए बैठा है। ऐसे में जहां ये लोग उपभोक्ताओं के साथ ठगी कर रहे हैं, वहीं उनके स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ भी कर रहे हैं।

ड्रमों में भरे नकली पेय पदार्थ ।

- असली के नाम पर जोरों पर चल रहा है नकली पेय पदार्थ का धंधा
- प्रतिदिन 80 हजार के करीब पेय पदार्थों की बिक्री होती है
- नकली ठंडे की बोतल पर लगता है असली

शहर में सैकड़ों लोग प्रतिदिन करीब 3 हजार से भी ज्यादा लीटर ठंडा पी जाते हैं। एक अनुमान के हिसाब से प्रतिदिन 80 हजार के करीब पेय पदार्थों की बिक्री होती है। जिसमें अधिक मुनाफा कमाने के चक्कर में कई दुकानदार उपभोक्ता को कंपनी का मार्का लगी नकली पेय पदार्थों की बोतल दे रहे हैं। विश्वसनीय सूत्रों ने बताया कि पेय पदार्थों का गौरखधंधा करने वाले असली कंपनी के लेबल लिए हुए हैं। नकली ठंडे की बोतल पर असली का लेबल लगा कर पूरी कीमत वसूल रहे हैं। उपभोक्ता नरेंद्र कुमार, सतीश, नवीन कुमार ने बताया कि उन्हें बाजार में एक दुकान से कंपनी की एक लीटर की बोतल खरीदी। बोतल पर लेबल किसी और कंपनी का व ढक्कन दूसरी कंपनी का मिला। जबकि कीमत कंपनी वाले ठंडे की ली गई।

लोगों ने बताया कि नकली ठंडे तैयार करने का कारोबार कहीं दूर नहीं, बल्कि कस्बे के आस-पास एरिया में भी हो रहा है। सूत्रों का कहना है कि इस बात का प्रशासन से जुड़े लोगों को पता है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। पेय पदार्थ हानिकारक स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि पेय पदार्थ चाहे असली हो या नकली सभी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं। लोगों को इनका कम से कम प्रयोग करना चाहिए। रुटीन में इसका अधिक सेवन करते रहने पर पाचन क्रिया खराब हो जती है और भूख लगनी कम हो जाती है। पेय पदार्थों में ऐसा कोई भी विटामिन युक्त पदार्थ नहीं होता, जिससे शरीर को लाभ पहुंचें।

PM must ensure "Achhe Din" for gender equality : Trupti Desai

Anurag Bohra, Noida

Noida: Activist Trupti Desai entered the Haji Ali Shrine on Wednesday. On a telephonic conversation with "JIMMC News" Desai spoke about various issues relating to gender inequality. "It's going to be a long battle. This is just the beginning. We need to bring anarchy against patriarchy and feudalism", she said.

On being asked about a similar March towards entering Delhi's "Haji Ali's sanctum-sanctorum", Desai told the policies were being worked upon. The social activist also spoke about her concern for the rights of Muslim women. "Muslim sisters came to me a few days ago. Bhu-Mata Brigade is adamant in abolishing social evils prevalent in all caste, religions and sects. It's unfortunate and saddening that we experience such things in the 21st century", she said.

On being questioned about the issue of marital rape Desai said, "Injustice or violence whether in public or at a personal space is equally condemnable and demands severe punishment". The female activist is all set to meet the PMO in order to seek justice to gender crimes in fast track courts and amendments in gender laws. "Modi Ji had promised "Acche Din" for women. He must address our grievances" she said.

Hindu College: A celebrity alumni hub

Anurag, Delhi/ NCR ।

The 'Hindu College' is one of the most distinguished academic institutions in the Capital as it has eminent personalities among its alumni. The most recent to join the ranks of the college's infamous achiever is North-Eastern beauty from Guwahati, Priyadarshini Chatterjee. The 19-year-old BA (Honours) Sociology student bagged the Miss India World title at a recently held beauty pageant. Priyadarshini is considered an exceptionally meritorious scholar by the faculty and students.

"Priyadarshini is a bright student and is very disciplined and punctual. She has a long way to go. She has made us proud. I wish her all the best for her future endeavors," said Dr. Anju Srivastava, Principal of Hindu College.

Priyadarshini is believed to have excelled both in academics as well as extra-curricular activities. "Priya is an all rounder. Be it studies, sports or arts. She is a perfectionist. Her passion and enthusiasm is unbelievable. The most graceful and talented dancer of Hindu College," said a student.

- Priyadarshini Chaterjee won the Miss India World 2016 pageant.
- Hindu college is a hub of celebrity alumni (Subramanian Swamy, Imtiaz Ali).

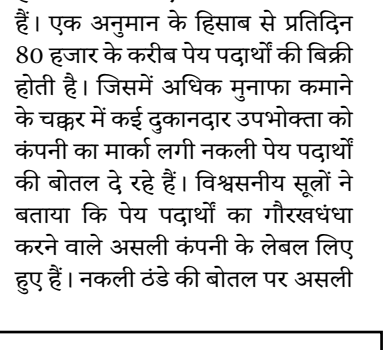

Priyadarshini Chaterjee

The institution is hopeful about Priyadarshini's prospects of winning the Miss World pageant. Hindu college has celebrity alumni from various walks of life, namely Arnab Goswami, Subramanian Swamy, Arjun Rampal, Imtiaz Ali and Rekha Bharadwaj.

...तो क्या सच में सूख गये नोएडा के तालाब

तौहीद आलम, नोएडा।

देश के विभिन्न हिस्सों में लगातार गहराए जा रहे जल संकट ने हमें एकबार फिर से प्राकृतिक जल की ओर सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। प्राकृतिक जल स्त्रोत का नाम आते ही हमारे ज़ेहन में नदी,झील ताल-तलैया घूमने लगता है। ये ऐसे जल स्त्रोत हैं जो भूमि के अंदर के जलस्तर को बनाए रखते हैं। विकाश की अंधी रेस में आज यह जल स्त्रोत विलुप्त होते जा रहे हैं। कहीं अवैध कब्जा कर बड़े-बड़े आलिशान मॉल, बिल्डिंग, कंपनी बनाये जा रहे हैं तो कहीं अवैध कालोनियां बसायी जा रही है।

आज कई राज्यों में सूखे की स्थिती इतनी भयावक हो गयी है कि लोग भारी जल संकट से जूझ रहे हैं। किसानों के आत्महत्या के पिछे भी जलसंकट एक प्रमुख कारण है। सूखे के कारण अच्छी फसल न होने से किसान कर्ज के बोझ तले दबते जाते है, और एक दिन इसी कर्ज के बोझ तले दब कर आत्महत्या कर लेते हैं। दिल्ली एनसीआर में भी पहले के कई ऐसे तालाब हैं, जो आज या तो सूखे पड़े है या विकाश के नाम पर उनका अधिग्रहण कर उन पर आलिशान बिल्डिंग खड़े कर दिये गये हैं। नोएडा सेक्टर-22 के चौड़ा गांव स्थित तालाब का अधिग्रहण कर उस पर ईएसआई हॉस्पीटल बनाया गया है। वहीं सेक्टर-115 के सोरखा गांव के तालाब पर अधिग्रहण कर अवैध कालोनियां बसा दी गयी है।

सूखा पड़ा तालाब ।

तालाबों की स्थितीः आजादी के समय पूरे देश भर में लगभग 24 लाख तालाब थें। लेकिन 2000-01 के नये आंकड़ो के अनुसार अब देश भर में तालाबों की संख्या सिमट कर 5.5 लाख रह गयी है। इनमें भी लगभग 15 फिसदी जल स्त्रोतों पर संकट मंडरा रहा है। दिल्ली सरकार के पार्क एंड गार्डन सोसायटी के अनुसार अब दिल्ली में तालाबों की संख्या 629 रह गयी है इन्में भी कइयों पर कब्जा हो चुका है।

फायदेः तालाब से भूमिगत जल स्तर सूधारने के अलावा, खेतों की सिंचाई, मवेशियों को नहलाने के साथ-साथ मछली पालन कर के भी अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है।

- जल स्त्रोत विलुप्त होते जा रहे हैं
- अवैध कब्जा कर बड़े-बड़े आलिशान मॉल, बिल्डिंग, कंपनी बनाये जा रहे हैं
- सेक्टर २२ में तालाब का अधिग्रहण कर उस पर ईएसआई हॉस्पीटल बनाया गया है

शिक्षा के क्षेत्र में अनोखी पहल

सद्दाम, दिल्ली । लाजपतनगर के मो. आदिल ने शिक्षा जगत को आगे बढ़ाते हुए कुछ ऐसा कर दिखाया जो पढ़कर आप हैरान रह जाएंगे। जो बच्चे जगह-जगह जाकर पहले कूड़ा बिना करते थें, आदिल ने उन्हें एक अच्छी राह दिखाकर उन्में पढ़ने का भाव जगाया। उनके मन में पढ़ाने के ख्याल तब आया जब उन्होंने बच्चों को सड़क किनारे कूड़ा बिनते देखा,तब उसके मन में यह ख्याल आया कि क्यों न इन बच्चों को पढ़ाया जाए। फिर आदिल ने इन बच्चों को लाजपतनगर स्थित अपने घर पर ही निःशुल्क पढ़ाना शुरू कर दिया।

आज आदिल के पास तकरीबन 25 बच्चे पढ़ने आते है। उन्होने ने बताया कि यहां जाति-धर्म से उठकर सभी धर्म के बच्चे एक साथ शिक्षा ग्रहण करने आते है। इन बच्चों में पढ़ने की ललक है। इन बच्चों के पिता रिक्शा चालक और मां कोठी पर साफ-सफाई का काम करती है। इन के माता-पिता के पास इतने पैसे नहीं है कि वे अपने बच्चे को पढ़ा सके। इनमें कुछ अनाथ बच्चे भी हैं। उनके लिए माता और पिता दोनों आदिल ही हैं। अनाथ दिनेश और महेश के अलावा इनके घर में छोटे-छोटे भाई बहन भी हैं, ये बच्चे इन के लिए कूड़ा बिनकर कुछ पैसा कमा लेते हैं जिससे इनका घर खर्च निकल जाता है।

दिल्ली चिड़ियाघर

पशु-पक्षियों को गर्मी से बचाने के लिए लगाए गए हैं कूलर

शान मोहम्मद, दिल्ली ।

राजधानी दिल्ली में भीषण गर्मी ने आम आदमी के अलावा पशु-पक्षियों को भी बेहाल कर दिया है। तापमान में वृद्धि का प्रभाव दिल्ली के राष्ट्रीय प्राणी उद्यान में भी देखा जा रहा है। ऐसे में पशु-पक्षियों को गर्मी से बचाने के लिए उनके गेजों में कूलर लगाए गए हैं। पशु भी गर्मी से बचने के लिए पानी के पास ही अधिकांश समय गुजार रहे हैं और पानी के फव्वारों का लुत्फ ले रहे हैं।

उद्यान के निदेशक रियाज खान बताया, कि मौसम में बदलाव सभी पशुओं को प्रभावित करता है, ऐसे में मौसम के अनुसार जानवरों का ध्यान रखा जाता है। उन्होंने कहा कि पशु-पक्षियों को गर्मी से निजात दिलाने के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं।

खान ने बताया कि बाघ, शेरनी तथा हिमालयन भालू के पिंजड़ों में कूलर लगाए गए हैं। पशुओं के पिंजड़ों के सामने सुबह और शाम पानी का छिड़काव किया जा रहा है। उनके पिंजड़ों में बनाए गए पेयजल स्थल को ठंडे पानी से भरकर रखा जाता है और उसमें लगातार झरने की तरह पानी डाला जा रहा है।

इसके अलावा पशुओं के खाने की सामग्रियों की मात्रा में भी परिवर्तन किया गया है। पशुओं के खाने में मांस की मात्रा में कुछ कमी की गई है तथा कई पशुओं के लिए रात्रि घर खोले रखे जा रहे हैं ताकि वे बाहर निकल कर बड़े बाड़े में आराम कर सकें।

भालू की गुफा के बाहर लगा कूलर

प्राणी उद्यान के अधिकांश पशु गर्मी से बेहाल नजर आ रहे हैं। हालांकि गर्मी के कारण अधिक संख्या में लोगों के उद्यान में नहीं आने के कारण पशुओं को कुछ राहत अवश्य मिल रही है। पशु चिकित्सकों का कहना है कि गर्मी बढ़ने से पशुओं के बीमार पड़ने की सम्भावना बढ़ जाती है इसलिए उनके खान-पान पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

उद्यान के चिकित्सक डां. पनीर सेलवम कहते हैं कि पशुओं के भोजन के प्रकार में तो परिवर्तन करते हुए ठंडा माने जाने वाले तरबूज, खीरा आदि को भी सम्मिलित किया गया है। इसके अलावा पेय पदार्थों में पानी के साथ ग्लूकोज भी दिया जा रहा है। पशु-पक्षियों को विटामिन-बी कॉम्प्लेक्स और कई प्रकार की होम्योपैथिक दवाएं भी दी जा रही हैं।

सेलवम कहते हैं कि उद्यान में कई स्थानों और कई वातावरण में जीवन जीने के आदी पशुओं को एक स्थान पर रखा जाता है। इस कारण विशेष व्यवस्था की जाती है। गर्मी के कारण कई ऐसे पशु भी हैं जो दिनभर पानी के अंदर ही रह रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि पिछले एक सप्ताह से दिल्ली के तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। एक सप्ताह के दौरान राजधानी का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जा रहा है। दिल्ली के केंद्र में 176 एकड़ में फैले इस उद्यान में 1344 से ज्यादा पशु रहते हैं। इस उद्यान के प्राकृतिक नजारे और पशु-पक्षियों को देखने के लिए देश और विदेश के लोग यहां पहुंचते हैं।

- पिंजड़ों के सामने सुबह- शाम होता है पानी का छिड़काव
- गर्मी बढ़ने से पशुओं के बीमार पड़ने की सम्भावना बढी
- उद्यान में 1344 से ज्यादा पशु

शार्ट सर्किट से घर में लगी आग

नीशू त्यागी/ तौहीद आलम, नोएडा ।

सेक्टर-11 के एक घर में आग लगने से सारा सामान जल कर राख हो गया। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया गया है। कुछ देर बाद पहुंची फायर बिग्रेड ने पहुंचकर आग को काबू कर लिया था। घर की एक महिला जख्मी हो गयी। फायर बिग्रेड के देर से पहुंचने पर लोगों ने इसका विरोध दर्ज किया। सड़क पर लोगों की भीड़ जमा होनें के कारण सेक्टर -11 के संदीप मिल चौराहा पर जाम लग गया, लेकिन मौके पर पहुंचे हरिदर्शन चौकी के प्रभारी प्रभात जोशी ने यातायात व्यवस्था को काबू किया और सुचारु रुप से आवागमन कराया।

सेक्टर-11 के एच ब्लाक में मकान नम्बर 1 में संतोष कुमार शर्मा परिवार के साथ रहते हैं। उन्होनें बताया कि सोमवार को शाम 6 बजे के आस-पास उनके घर पर आग लग गई। आग लगने के कारण एसी भी फट गया जिसके कारण आग और तेजी से फैल गयी। आग लगने की सूचना फायर स्टेशन पर दी। लेकिन फायर बिग्रेड के नहीं पहुंचने पर मौजूद लोगों में रोष फैल गया। पीडितों का कहना है कि लगभग एक घंटे बाद फायर बिग्रेड की गाड़ी आयी है। फायर स्टेशन अधिकारी कुलदीप कुमार का कहना है, मकान मालिक ने बताया है कि बिजली की फींटिग में शार्ट सर्किट होने के कारण आग लगी। अधिकारी कुलदीप कुमार से जब लेट होने की वजह पूछी गयी तो उनका गैर जिम्मेदराना बयान आया कि जिसके घर आग लगती है उसे एक मिनट भी एक घंटे के समान लगता है और जब फायर स्टेशन पर खबर दी जाएगी तभी तो हम आएगें। हमें नहीं पता कि इसे पहले आप कहा सूचना दे रहे थे। उन्होनें कहा कि हम आग लगने की सूचना पर तुरंत गाड़ी लेकर पहुंचे और आग को काबू कर लिया गया है।

आग बुझाता दमकल कर्मचारी

- घर में लगा एसी भी फटा
- लाखों का सामान जल कर राख